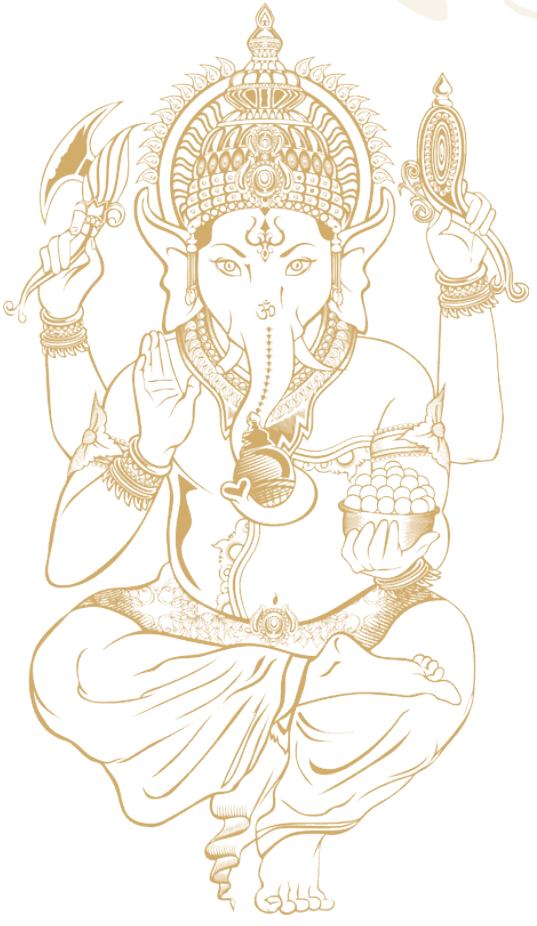

Divyansh

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121620305

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/11/1998	जन्म तिथि	30/06/2000
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 13:00:00	जन्म समय	15:30:00 घंटे
घटी 14:56:15	जन्म समय(घटी)	24:30:38 घटी
India	देश	India
Ajmer	स्थान	Bijainagar
26:29:00 उत्तर	अक्षांश	25:56:00 उत्तर
74:40:00 पूर्व	रेखांश	74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:20	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:01:29	सूर्योदय	05:43:06
17:38:20	सूर्यास्त	19:27:03
23:50:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:35

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 3वर्ष 5मा 27दि		17:04:46	कुंभ	लग्न	तुला	23:27:47	मंगल 5वर्ष 11मा 10दि	
शुक्र		14:02:29	वृश्चि	सूर्य	मिथु	15:03:03	गुरु	
29/05/2009		27:15:38	मीन	चंद्र	वृष	25:20:32	10/06/2024	
29/05/2029		07:46:33	कन्या	मंगल	मिथु	15:24:45	10/06/2040	
शुक्र	27/09/2012	17:12:23	वृश्चि व	बुध व	मिथु	24:19:40	गुरु	29/07/2026
सूर्य	27/09/2013	24:48:16	कुंभ	गुरु	वृष	06:09:41	शनि	09/02/2029
चन्द्र	29/05/2015	21:46:23	वृश्चि	शुक्र	मिथु	20:15:33	बुध	18/05/2031
मंगल	28/07/2016	03:41:58	मेष व	शनि	वृष	02:43:14	केतु	22/04/2032
राहु	29/07/2019	01:52:57	सिंह व	राहु व	कर्क	00:46:57	शुक्र	22/12/2034
गुरु	29/03/2022	01:52:57	कुंभ व	केतु व	मक	00:46:57	सूर्य	11/10/2035
शनि	29/05/2025	15:43:22	मक	हर्ष व	मक	26:27:46	चन्द्र	09/02/2037
बुध	28/03/2028	06:13:07	मक	नेप व	मक	12:01:51	मंगल	16/01/2038
केतु	29/05/2029	14:04:46	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:56:37	राहु	10/06/2040

लग्न-चलित

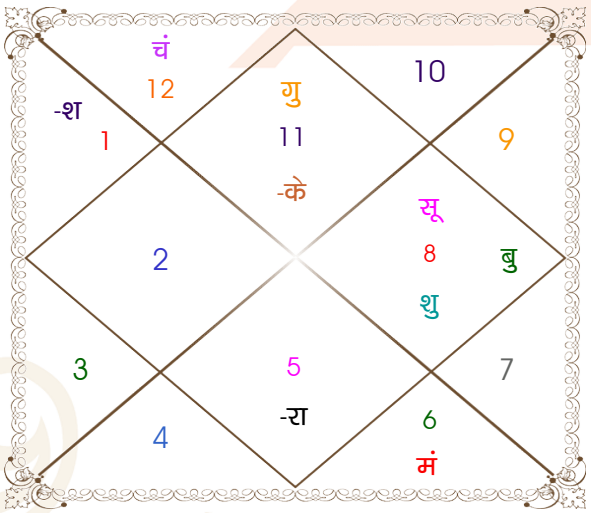

लग्न-चलित

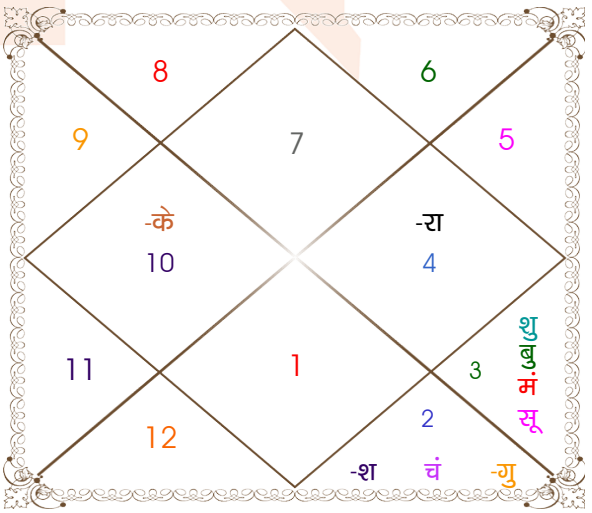

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Divyansh का वर्ग सिंह है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Divyansh और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Divyansh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Divyansh तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।